नया समाज बनाएँ

आओ, नया समाज बनाएँ
इस धरती को स्वर्ग बनाएँ
आओ, नया समाज बनाएँ

जाति-पाँति के बंधन तोड़े
अपनेपन की कड़ियां जोड़े,
इस धरती के हर मानव का
मानवता से नाता जोड़े।
एक दूसरे के सुख-दुख में
मिलकर बैठे हाथ बटाएँ
आओ, नया समाज बनाएँ

इस माटी का कण-कण चंदन
इसे करें हम शत-शत वंदन
नई रोशनी की किरणे बन
आज सजा दे हर घर आँगन
मिल-जुल कर आगे बढ़ने का
सबके मन में भाव जगाएँ
आओ, नया समाज बनाएँ

NAME- Ankit Nayak
Class- IX